M.A. (Hindi) (NEP Pattern) Semester-IV

# S4MAHINJC1 - Major DSC Paper-I : Prachin Evam Madhyamkalin kavya-II

P. Pages : 3 **GUG/S/25/16209**

Time : Three Hours Max. Marks : 80

* 3 8 0 4 *

---

सुचना :- सभी प्रश्न अनिवार्य है।

**1.** निम्नलिखित गद्याशों में से **किन्हीं तीन** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। **30**

1) अब रहीम चुप करि रहऊ, समुझि दिनन कर फेर।
जब दिन नीके आइ हैं, बनत न लगि है देर।।
जब रहीम मुश्किल पड़ी, गाढ़े दोऊ काम।
साँचे से तो जग नही, झूठे मिलै न राम।।

2) सन्ध्या को नित ही ऋषिवर
शिष्यों को कथा सुनाते
कोने के खम्भे से टिक
सुनती, क्या अर्थ बताते?
आश्रम की दीया बत्ती
करने पर ही घर जाती
तब अपने भीतर कैसा
प्रभु का सम्बोधन पाती।

3) भा भादो दूभर अति भारी। कैसे भरौ रैनि अंधियारी।।
मंदिर सून पिऊ अनतै बसा। सेज नागिनी फिरी-फिरी डसा।।
रहा अकेलि गहे एक पाटी। नैन पसारि मरौ हिय फाटी।।
चमक बीजु घन गरजि तरासा। विरह काल होई जीउ गरासा।।
बरसैं मघा झकोरि झकोरी। मोर दुइ नैन चुवैं जस ओरी।।
धनि सूखै भरे भादों माहाँ। अबहूँ न आएन्हि सोचेन्हि नाहाँ।।
पुरवा लागि भूमि जल पूरी। आक जवास भई तस झूरी।।
थल जल भरे अपूर सब, धरनि गगन मिलि एक।
धनि जोवन अवगाह महँ, दे बूढ़त पिउ टेक।।

4) नबहू रस के भाव बहु, तिनके भिन्न विचार
सबको केसवदास हरि नामक है श्रृंगार।।
प्रथम सिंगार सुहास्य-रस करूना-रूद्र सुबीर।
भय, बीभत्स बखानिये अद्भुत सांत सुधीर।।

5) एक उदर दो चोंच है, पंछी एक कुरंड।
कहि रहीम कैसे जिए, जुदै-जुदै दो पिंड।।
एकै साधे सब सधै, सब साधे सब जाय।
रहिमन मुलहिं सांचिबों, फुलै फलै अघाय।।

6) मन्दार पुष्प सा जिसका
सर्वस्व समर्पित प्रभु को
जो स्वयं तपस्या है अब
का वेद मन्त्र है उसको
यह आर झाड़ जिस दिन भी।
ज्योतित होगी तेजस बन
त्रैलोक्य छोड़ तब प्रभु ही
आयेंगे देने दर्शन।

**2.** निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए। **10**

अ) जायसी के पद्मावत के आधार पर नागमती के विरह की वेदना स्पष्ट कीजिए।

**अथवा**

आ) “केशव कवि न ही नहीं एक विचारक भी थे” इस कथन पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

**3.** निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **20**

1) रतनसेन नागमती को छोड़कर कहाँ और क्यों जाते है?

2) रैदास का परिचय लिखिये।

3) ज्ञानेश्वर का साहित्य में योगदान स्पष्ट कीजिए।

4) अमीर खुसरों के काव्य में व्यक्त जीवन दर्शन स्पष्ट कीजिए।

5) चंदवरदाई का जीवन परिचय देते हुए हिन्दी साहित्य में उनका योगदान स्पष्ट कीजिए।

6) “शबरी का प्रभु प्रेम अनोखा है” शबरी कविता के आधार पर संक्षेप में लिखिए।

7) मीरा की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।

**4.** निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **10**

1) मीरा कृष्ण को सच्चा प्रेमी बतलाकर क्या कहती है? लिखिए।

2) दुष्यंतकुमार का परिचय दीजिए।

3) नागमति को हीरामन तोते से अलगाव क्यों हुआ?

4) पृथ्वीराज रासो के रचियता कौन है? उनका जन्म कब और कहाँ हुआ?

5) पद्मावत के किस खंड में प्रकृति की सुंदरता का वर्णन कवि जायसी ने किया है?

**5.** निम्नलिखित निर्देशों के आधार पर वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) शबरी किसकी भक्ति में लीन थी?
   - क) कृष्ण
   - ख) शंकर
   - ग) राम
   - घ) गणेश

2) जायसी कृत पद्मावत किस धारा का काव्य है?
   - क) संत काव्यधारा
   - ख) सूफी काव्यधारा
   - ग) राम काव्यधारा
   - घ) कृष्ण काव्यधारा

3) गजलकार के रूप में जाननेवाले कवि इनमें से कौन है?
   - क) अमीर खुसरो
   - ख) इकबाल
   - ग) दुष्यंत कुमार
   - घ) नीरज

4) तुलसीदास की भक्ति ------- है।
   - क) सख्य
   - ख) दास्य
   - ग) विनय
   - घ) सेवा

5) संत ज्ञानेश्वर का नाम इस भाषा साहित्य से जुड़ा है।
   - क) हिन्दी
   - ख) भोजपूरी
   - ग) पंजाबी
   - घ) मराठी

6) मीराबाई का स्वर्गवास कहाँ पर हुआ था?
   - क) मेड़ता
   - ख) द्वारिका
   - ग) वृन्दावन
   - घ) बनारस

7) कवितावली किसकी रचना है?
   - क) सूरदास
   - ख) रामदास
   - ग) अनामदास
   - घ) तुलसीदास

8) हिन्दी साहित्य में नख-शिख वर्णन ------ की व्यंजना करते समय किया जाता है।
   - क) वीर रस
   - ख) शांत रस
   - ग) श्रृंगार रस
   - घ) रौद्र रस

9) केशव ----- के श्रेष्ठ आचार्य कवि थे।
   - क) संस्कृत
   - ख) पाली
   - ग) हिन्दी
   - घ) फारसी

10) “-------- पुष्प सा जिसका, सर्वस्व समर्पित प्रभु को”
   - क) गुलाब
   - ख) मन्दार
   - ग) कमल
   - घ) चमेली

***********